



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 43]

नई दिल्ली, मंगलवार, मार्च 1, 2011/फाल्गुन 10, 1932

No. 43]

NEW DELHI, TUESDAY, MARCH 1, 2011/PHALGUNA 10, 1932

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

अधिसूचना

मुंबई, 25 फरवरी, 2011

सं. टीएएमपी/9/2011-पीपीटी.—महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38वाँ) की धारा 48 और 49 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण लौह-अयस्क गुटिकाओं के प्रहस्तन हेतु, पत्तन के दरमान में प्रदत्त पोत घाट शुल्क के प्रभार की अनुप्रयोज्यता के संबंध में पारादीप पत्तन न्यास के द्वारा माँगे गए स्पष्टीकरण के संदर्भ पत्र को एतद्वारा संलग्न आदेशानुसार निपटाता है।

महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

सं. टीएएमपी/9/2011-पीपीटी

पारादीप पत्तन न्यास

आवेदक

आदेश

(फरवरी, 2011 के 18वें दिन पारित)

यह मामला सामान्य कार्गो बर्थ पर, जिसे यंत्रीकृत किया जाना है, लौह-अयस्क गुटिकाओं के प्रहस्तन हेतु, परिकल्पित पोत घाट शुल्क के प्रभार की अनुप्रयोज्यता के संबंध में पारादीप पत्तन न्यास के द्वारा माँगे गए स्पष्टीकरण के संदर्भ पत्र से संबंधित है।

2. पीपीटी ने निम्नलिखित मुद्दों पर स्पष्टीकरण माँगी है :—

(क) क्या बर्थ के यंत्रीकरण के बाद, लौह-अयस्क गुटिकाओं का प्रहस्तन, पीपीटी के दरमान की धारा 2.1(5)(क) के अंतर्गत वर्गीकृत किया जा सकता है, दरमान की उपरोक्त धारा प्रहस्तित कार्गो की मात्रा से संबंधित स्लाइड रेट प्रदान करती है।

(ख) यदि नहीं तो, क्या उसके लिए ₹ 34.50 प्रति टन की दर से पोत घाट शुल्क लागू होगा।

3. पीपीटी से प्राप्त संदर्भ पत्र की प्रारंभिक संवीक्षा के उपरांत, पत्तन से अतिरिक्त सूचना/स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने के लिए अनुरोध किया गया था जिसका पीपीटी ने उत्तर दिया है। हमारे द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर प्रस्तुत करते समय, पीपीटी ने अन्य बातों के साथ यह भी कहा है कि प्रचलित दरमान में किसी भी प्रकार की संदिग्धता नहीं है, परन्तु केवल अनुज्ञप्तिधारियों के अनुरोध पर ही, इस प्राधिकरण के समक्ष, संदर्भ पत्र प्रस्तुत किया गया था।

4. प्रदत्त सामान्य परामर्शी प्रक्रिया का अनुपालन करते हुए पीपीटी से अनुरोध किया गया था कि वह उपयुक्त उपयोगकर्ताओं/पणधारियों से अपनी टिप्पणी प्रस्तुत करने की सलाह देते हुए उनमें अपने संदर्भ पत्र हमारे प्रश्न परिपत्रित करें। पीपीटी ने सूचित किया है कि उसने अपना पत्र एस्सार बल्क टर्मिनल पारादीप लिमिटेड (ईबीटीपीएल) एक अनुज्ञप्तिधारी जिसे मौजूदा बर्थ को यंत्रीकृत बर्थ में रूपांतरित करने के लिए एवं रूपांतरित बर्थ को अपने स्वयं के कार्गो के प्रहस्तन हेतु प्रचालित अनुज्ञप्ति प्राप्त है, पत्र को परिचारित किया है। इस मामले को अंतिम रूप देते समय तक, हमें ईबीटीपीएल से किसी भी प्रकार की लिखित टिप्पणियाँ प्राप्त नहीं हुई हैं।

5. अपने प्रशुल्क के सामान्य संशोधन के लिए, पीपीटी के द्वारा दाखिल प्रस्ताव से संबंधित अन्य प्रशुल्क मामलों के साथ इस मामले में, भुवनेश्वर में पीपीटी के परिसर में 3 फरवरी, 2011 को एक संयुक्त सुनवाई आयोजित की गई थी। ईबीटीपीएल ने संयुक्त सुनवाई की कार्रवाई के दौरान माना था कि कार्गो के यंत्रीकृत प्रचालन हेतु, पीपीटी के दरमान के अनुसार पोत घाट शुल्क लगाना चाहिए। पीपीटी ने कहा है कि प्रचलित दरमान में किसी भी प्रकार की संदिग्धता नहीं है एवं 23 अक्टूबर, 2010 को इस प्राधिकरण से अपने संदर्भ पत्र के द्वारा माँगी गई स्पष्टीकरण अनावश्यक है। परिणामस्वरूप,

पीपीटी ने इस प्राधिकरण के समक्ष प्रस्तुत किए हुए, अपने संदर्भ पत्र को वापस लेने के लिए प्रार्थना किया है।

6. चूँकि पीपीटी मानता है कि प्रचलित दरमान में, जिस पर इस प्राधिकरण से स्पष्टीकरण की अपेक्षा थी, कोई संदिग्धता नहीं है। पीपीटी के द्वारा प्रस्तुत संदर्भ पत्र के आधार पर, आरंभ किए गए मामले को विरोधी विवाद के गुणावगुणों की गहराई में जाये बिना वापस लिया हुआ समझते हुए बंद किया जाता है।

रानी जाधव, अध्यक्ष

[विज्ञापन III/4/143/10-असा.]

under clause 2.1(5)(a) of the Scale of Rates of PPT which provides for sliding rates linked to the quantity of cargo handled.

(b) If not, whether wharfage of ₹ 34.50 per tonne will be applicable for the same.

3. After preliminary scrutiny of the reference received from PPT, the port was requested to furnish additional information/clarifications. The PPT has responded. While responding to our queries, the PPT has *inter alia*, stated that the existing Scale of Rates does not have any ambiguity, but the reference to this Authority was made only at the request of the Licensee.

4. Following the usual consultation process prescribed, the PPT was requested to circulate its reference and its response to our queries to the relevant users/stake holders advising them to furnish their comments. The PPT has reported that it has circulated its letters to Essar Bulk Terminal Paradip Ltd. (EBTPL), a licensee licensed to convert existing berth into a mechanized berth and operate the same for handling its own cargo. We have not received any written comments from the EBTPL till finalization of this case.

5. A joint hearing in the case was held on 3rd February, 2011 at the premises of the PPT at Bhubaneswar along with another tariff case relating to the proposal filed by PPT for general revision of its tariff. The EBTPL maintained at the joint hearing that wharfage for mechanical operation as per the Scale of Rates of PPT should be levied on its cargo. The PPT has stated that the existing Scale of Rates does not have ambiguity and its reference dated 23rd October, 2010 made to this Authority for clarifications is unnecessary. Consequently, the PPT prayed for withdrawal of its reference made to this Authority.

6. Since the PPT maintains that no ambiguity in the existing Scale of Rates which requires clarification from this Authority, the case initiated based on the reference made by the PPT is hereby closed as withdrawn without going into the merits of rival contentions.

RANI JADHAV, Chairperson

[ADVT. III/4/143/10-Exty.]

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NOTIFICATION

Mumbai, the 25th February, 2011

No. TAMP/9/2011-PPT.—In exercise of the powers conferred under Sections 48 and 49 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Tariff Authority for Major Ports hereby disposes off the reference received from the Paradip Port Trust seeking clarifications on the applicability of wharfage charges prescribed in the Port's Scale of Rates for handling Iron Ore Pellets as in the Order appended hereto.

TARIFF AUTHORITY FOR MAJOR PORTS

NO. TAMP/9/2011-PPT

The Paradip Port Trust Applicant

ORDER

(Passed on this 18th day of February, 2011)

This case relates to a reference received from the Paradip Port Trust (PPT) seeking clarification on the applicability of wharfage charges for Iron Ore Pellets envisaged to be handled at one of its general cargo berths which is to be mechanized.

2. The PPT has sought clarification on the following issues :

(a) Whether handling of Iron Ore Pellets at the berth after mechanisation can be categorized